आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों अलीगढ़ हाथरस ऐटा कासगंज बदायूं बुलंदशहर मथुरा आदि से प्रसारित व अलीगढ़ से प्रकाशित

बर्ष :13 अंक :508 पृष्ठ -4 दिनांक 19 जून 2025 दिन गुरूवार

भर्ती पर योगी सरकार के प्रचार पर भड़कीं मायावती, दिलाई अपने कार्यकाल की याद, किया बड़ा दावा

बहुजन समाज पार्टी की मुखिया और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने उत्तर प्रदेश में हाल के दिनों में संपन्न हुई 60,244 पुलिस भर्ती पर प्रतिक्रिया दी. उन्होंने सिलसिलेवार दो एक्स पोस्ट्स में आरोप लगाया कि सरकार जिस तरह से भर्ती को प्रचारित कर रही है, उससे लग रहा है है कि यह कोई नई बात है. मायावती ने मंगलवार, 18 जून को एक के बाद एक दो पोस्ट कर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने लिखआ कि "यूपी में अभी हाल ही में हुई सिपाही भर्ती को लेकर ऐसा प्रचारित किया गया जैसे यह कोई नई बात हो, जबकि पुलिस में ऐसी भर्ती रूटीन कार्य है, ताकि बैकलॉग की बुराई पुलिस विभाग में भी न आए. किंतु इस भर्ती में सर्वसमाज को सही हक मिला या नहीं व उनकी ट्रेनिंग का क्या? यही आम चिंता."

अपने दूसरे पोस्ट में मायावती ने अपनी सरकार के कार्यकाल की याद दिलाई. उन्होंने लिखा, "जबकि बीएसपी की मेरी सरकार में यूपी में 'कानून द्वारा कानून का राज' का न्याय–युक्त माहौल स्थापित करने के लिए एकमुश्त 1.20 लाख नए पद सृजित करके पुलिस भर्ती को ईमानदार बनाया गया, जिस शांति व्यवस्था का लाभ बिना भेदभाव के समाज के सभी वर्गों के लोगों को मिला, जिसकी अब काफी कमी है."मायावती के इस बयान को राज्य की मौजूदा कानून व्यवस्था और पुलिस भर्ती प्रक्रिया पर प्रत्यक्ष हमला माना जा रहा है. उन्होंने साफ कहा कि उनकी सरकार में पुलिस भर्ती पारदर्शिता और योग्यता के आधार पर होती थी और इसका फायदा सभी वर्गों को मिला करता था.

ग्रेटर नोएडा में मेडिकल डिवाइस बनाने के लिए नई योजना शुरू, 21 प्लॉट्स का होगा आवंटन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और देश को मेडिकल डिवाइस निर्माण का हब बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है. इसी क्रम में अब यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने ग्रेटर नोएडा के सेक्टर–28 में मेडिकल डिवाइस मैन्युफै. क्चरिंग यूनिट्स के लिए नई स्कीम शुरू की है.इस स्कीम के तहत 21 प्लॉट्स का आवंटन किया जाएगा. इनमें 1000 वर्ग मीटर के 16 प्लॉट्स और 2100 वर्ग मीटर के 5 प्लॉट्स शामिल हैं. ये प्लॉट्स खास. तौर पर मेडिकल डिवाइस यूनिट्स जैसे कैंसर केयर, रेडियोलॉजी, कार्डियो और रीनल डिवाइसेस, इमेजिंग और मेडिकल इंप्लांट्स के निर्माण के लिए आवंटित किए जाएंगे.प्राधिकरण के मुताबिक, 1000 वर्ग मीटर वाले प्लॉट्स का अलॉटमेंट रेट 7730 रुपये प्रति वर्ग मीटर तय किया गया है. यानी कुल प्रीमियम अमाउंट 77.30 लाख रुपये होगा, और आवेदन के समय रजिस्ट्रेशन अमाउंट 7.73 लाख रुपये जमा करना होगा. वहीं, 2100 वर्ग मीटर वाले प्लॉट्स का प्रीमियम अमाउंट 1.62 करोड़ रुपये तय हुआ है और रजिस्ट्रेशन अमाउंट 16.23 लाख रुपये रखा गया है.7 जुलाई तक कर सकते हैं आवेदनइस योजना के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और इच्छुक निवेशक 7 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं. आवेदन निवेश मित्र पोर्टल या यीडा की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए किए जा सकते हैं.यह योजना ग्रेटर नोएडा में बन रहे देश के सबसे बड़े मेडिकल डिवाइस पार्क का हिस्सा है, जो केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहल के तहत विकसित किया जा रहा है. इसका उद्देश्य देश को मेडिकल डिवाइस के मामले में आत्मनिर्भर बनाना और विदेशों पर निर्भरता कम करना है. फिलहाल भारत में इस्तेमाल होने वाले मेडिकल उपकरणों का एक बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात किया जाता है. लेकिन इस पार्क और योजनाओं के जरिए सरकार देश में ही इन उपकरणों का उत्पादन बढ़ाना चाहती है.यीडा की यह योजना सिर्फ उद्योग को बढ़ावा ही नहीं देगी, बल्कि हजारों लोगों को रोजगार भी मिलेगा. खास बात यह है कि यह प्लॉट्स यमुना एक्सप्रेसवे के पास स्थित हैं और जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट, फिल्म सिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, एमएसएमई पार्क, और टॉय पार्क जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स से भी जुड़े हुए हैं. यानी यहां उद्योग लगाने वालों को बेहतर कनेक्टि. विटी, अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच और विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी.

बस्ती में दारोगा जी ने दिखाया रोब, कार से पिता पुत्र को ठोका

बस्ती जनपद में पुलिस के श्रक्षकश स्वरूप पर एक बार फिर गंभीर सवालिया निशान लग गया है. आलम ये है कि पुलिस वालों की वर्दी का घमंड अब सिर चढ़कर बोलने लगा है, और इस बार तो हद ही हो गई, जब एक दारोगा साहब ने पहले तेज रफ्तार अपनी कार से सड़क किनारे खड़े पिता और पुत्र को ठोका फिर घायल पीड़ितों से कहा, ष्साले मरे क्यों नहीं अभी तक, हम तो चाहते थे कि मर जाओ!ष वाह रे कानून के रखवाले, जिनके जिम्मे आम जन की रक्षा करने का भार है वो खुद सरेआम कानून का मजाक बना रहे और कानून को तोड़ रहे है.ये बात अलग है कि सभी पुलिस वाले खराब नहीं होते. कुछ ऐसे भी श्नेकश पुलिस वाले होते हैं, जिन्हें अपनी जिम्मेदारी का एहसास रहता है. लेकिन कुछ ऐसे भी श्महानुभावश हैं, जिन्हें जिम्मेदारी का एहसास ही नहीं होता, और इसी सूची में एक नया नाम जुड़ा है, दारा. गा रितेश कुमार सिंह का. लोग कहते हैं, पता नहीं इन्हें कब अपनी जिम्मेदारी का श्एहसासश होगा और कब इनके सिर से ये वर्दी का घमंड टूटेगा? लगता है, ये श्घमंडश ही था जिसके चलते इनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है.दरोगा जी कारनामाबस्ती में दरोगा जी ने अपनी कार से दो लोगों को उड़ा दिया. जी हां, श्उड़ाश दिया! जिससे वे घायल हो गए. इन्होंने श्इलाजश कराने के बजाए, अपनी श्वर्दीश का पूरा फायदा उठाया. पीड़ितों को ही धमकाते हुए बोले, ष्साले मरे क्यों नहीं, हम तो चाहते थे कि मर जाओ!ष सोचिए, सामने वाला दर्द से कराह रहा होगा, और दारोगा जी श्मौतश की कामना कर रहे हैं! ये है हमारी पुलिस का श्मानवीय चेहराश. दरोगा जी यहीं नहीं रुके उन्होंने अपनी वर्दी की धौंस दिखाते हुए प्रत्यक्षदर्शियों को धमकी देते हुए कहा, ष्अगर थाने गए तो तुम ला. गों का भी वही हाल होगा, जो बाप–बेटे का हुआ.ष अब इन्हें कौन समझाने जाए कि ये न तो कोई श्खुदाश हैं, और न कोई श्गुंडाश. ये तो बस एक ऐसे श्दरोगाश हैं, जिनकी श्वर्तमान परिवेशश में वर्दी उतरते देर नहीं लगती. लगता है.मामले के पीड़ित, घायल लाटबक्स सिंह का कहना है, ष्अगर चौकी इंचार्ज हम लोगों की मदद करते तो हम लोग उनके खिलाफ मुकदमा न दर्ज करवाते.ष यानी, अगर पुलिस अपना श्फर्जश निभाती, तो जनता को अदालत का दरवाजा खटखटाना ही नहीं पड़ता. लेकिन दारोगा जी ने मदद करने के बजाय, वर्दी का श्रौबश दिखाया, और शायद यही उनके लिए महंगा पड़ गया. कहा भी जाता है, ष्जो मजा किसी की मदद में मिलता है, वह मजा दौलत में नहीं मिलता.ष लेकिन हमारे कुछ पुलिसकर्मियों को ये बात समझ ही नहीं आती. अगर किसी पुलिस वाले को अपनी वर्दी पर इतना ही घमंड है, तो उसे उन लोगों पर उतारना चाहिए, जो समाज और सरकार दोनों के दुश्मन होते हैं दृ अपराधी, भ्रष्टाचारी. बेगुनाह, घायल और परेशान लोगों पर नहीं!दरोगा जी पर हुई एफआईआरइस मामले में दरोगा जी पर अब एफआईआर दर्ज हो चुकी है, लेकिन देखना यह होगा कि इस श्खाकी के घमंडश पर कब तक लगाम लगती है. या फिर, ये मामला भी चंद दिनों की श्मीडिया कवरेजश के बाद ठंडे बस्ते में चला जाएगा? जनता तो यही चाहती है कि दारोगा जी को सबक मिले, ताकि भविष्य में कोई और श्खाकीधारीश इस तरह से अपने पद का दुरुपयोग करने की हिम्मत न कर सके. लेकिन, क्या ऐसा होगा? ये सवाल आज भी हवा में तैर रहा है. इस दुर्घटना में पिता और पुत्र दोनों को गंभीर चोट आई है, जिसमें पिता का कंधा टूट गया है और पुत्र को भी काफी चोट आई है. वही आरोपी दरोगा रितेश सिंह वर्तमान में जिले के असनहरा चौकी प्रभारी के पद पर कार्यरत है.वही इस मामले को लेकर हमने महकमे के डीआईजी संजीव कुमार त्यागी से बात की तो उन्होंने पूरे प्रकरण की जानकारी ली और कहा जल्द ही कार्यवाही की जाएगी, वही दरोगा रितेश सिंह से जब हमने उनका पक्ष लिया तो उन्होंने बताया कि दुर्घटना हुई थी मगर घायलों द्वारा अभद्रता का आरोप निराधार है, कहा मुकदमा दर्ज हुआ है आला अधिकारी जो निर्देश देंगे उसका पालन होगा. कहा वे खुद घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भिजवाए थे मगर अब घायल न जाने क्यों आरोप लगा रहे है.

यूपी के 75 जिलों में मूंग और 15 में मूंगफली की सरकारी खरीद शुरू, लाखों किसानों को सीधा फायदा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश सरकार ने जायद सीजन की मूंग और मूंगफली फसलें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरदनी शुरू कर दी हैं. राज्य के सभी 75 जिलों में मूंग और 15 जिलों में मूंगफली की खरीद 02 सितंबर और 29 अगस्त तक चलेगी. इस पहल से प्रदेश के लाखों लघु सीमांत किसानों की जेब में सीधा पैसा पहुँचेगा. कितनी कीमत, कितना लक्ष्यमूंग का एमएसपी 8,682 प्रति क्विंटलमूंगफली का एमएसपीरू 6,783 प्रति क्विंटल सरकार ने 34,720 मीट्रिक टन मूंग और 50,750 मीट्रिक टन मूंगफली खरीदने का लक्ष्य रखा है. काम दो केंद्रीय एजेंसियाँ सँभालेंगी– नेफेड (छ।थ्म्व्) 24,304 टन मूंग व 35,525 टन मूंगफली उठाएगी, जबकि एनसीसीएफ 10,416 टन मूंग और 15,225 टन मूंगफली खरीदेगी. दोनों एजेंसियाँ "प्राइस सपोर्ट स्कीम" (पीएसएस) के तहत राज्य स्तरीय सहकारी समितियों व विपणन मंडियों के साथ मिलकर किसान से सीधी खरीद करेंगी. पंजीकरणरू किसान को आधार, बैंक खाता और भूमि अभिलेख के साथ नामांकन कराना होगा.क्रय केंद्ररू हर जिले में कई केंद्र बन चुके हैं, ताकि किसान को ज़्यादा दूरी न तय करनी पड़े. भुगतानरू गुणवत्ता जाँच और तौल के बाद 72 घंटों के भीतर राशि सीधे बैंक खाते में जाएगी.भारत अपनी दाल और खाद्य तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है. पर आत्मनिर्भरता के लिए केंद्र ने एमएसपी लगातार बढ़ाई हैय सिर्फ 2024 25 सीजन में मूंग का भाव 8,558 से बढ़कर 8,682 रुधक्विंटल कर दिया गया. ग्राउंडनट का एमएसपी भी 6,377 से बढ़कर 6,783 रुधक्विंटल हुआ. पीएसएस और प्रधान मंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान के तहत पिछले ग्यारह साल में दाल तिलहन की सरकारी खरीद में जबरदस्त 7,350 : बढ़ोतरी दर्ज हुई है. बड़े पैमाने पर खरीद से बाजार में न्यूनतम मूल्य की गारंटी

यूपी में 19 जून से मानसून की एंट्री, अब होगी जमकर बारिश, आज इन जिलों में अलर्ट जारी

उत्तर प्रदेश में मौसम एकदम पलट गया है. मंगलवार को प्रदेश के कई हिस्सों में जमकर बारिश हुई, जिससे गर्मी अब छू मंतर होने लगी है. दो दिनों में तापमान में भी गिरावट आई है. इस बीच मौसम विभाग ने गुड न्यूज दी है. इस बार समय से पहले मानसून यूपी में दस्तक देने जा रहा है. 19 जून से मानसून सक्रिय हो रहा है.आने वाले दिनों में प्रदेश के तमाम हिस्सों में गरज–चमक के साथ झमाझम बारिश होगी. पूर्वी यूपी के कई इलाकों में भारी से भारी बारिश होने की चेतावनी दी गई है. मौसम विभाग के मुताबिक पश्चिमी यूपी के कई जिलों में आज (बुधवार) कई स्थानों पर गरज–चमक के साथ बारिश होने का यलो अलर्ट जारी किया गया है.वहीं पूर्वी हिस्से में बंगाल की खाड़ी से हवा का दवाब क्षेत्र बन रहा है, जिसकी वजह से अगले दो दिनों में यहां के कई जिलों में भारी से भारी बारिश होगी है. इस दौरान वज्रपात और 40–50 किमी की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने का अलर्ट जारी किया गया है, जिसके बाद इसका दायरा मध्य से पश्चिमी यूपी तक पहुंचेगा और 19–20 जून को पूरे प्रदेश में जोरदार बा. रिश होगी. 19 जून से यूपी में मानसून की एंट्रीयूपी में 19 जून से मानसून की एंट्री हो जाएगी. इसके बाद 22 जून तक प्रदेश के दोनों संभागों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. कहीं–कहीं बहुत भारी बारिश का भी अनुमान है. आंधी–पानी की वजह से तापमान में भी अच्छी–खासी गिरावट आई है.अगले 24 घंटों में अधिकतम तापमान में 2–4 डिग्री सेल्सियस पारा कम हो सकता है. मंगलवार को उरई में सबसे अधिक तापमान 42.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया. वहीं बांदा, प्रयागराज, वाराणसी और गाजीपुर सबसे गर्म जिले रहे. यूपी में आज शामली, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बागपत, नोएडा, गाजियाबाद, हापुड़, अमरोहा, संभल, बदायूं, कासगंज, एटा, हाथरस, अलीगढ़ और मथुरा में एक या दो जगहों पर आज बारिश हो सकती है, जबकि सहारनपुर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, फर्रुखाबाद, हरदोई, कन्नौज, मैनपुरी, फिरोजाबाद, आगरा, इटावा, औरैया, जालौन, झांसी, ललितपुर, महोबा, हमीरपुर, बांदा, कानपुर, फतेहपुर, उन्नाव, हरदोई, लखनऊ, रायबरेली और अमेठी में कुछ स्थानों पर आज बारिश होगी. वहीं लखीमपुर खीरी, सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती, गोंडा, बारा. बंकी, अयोध्या, सुल्तानपुर. प्रतापगढ़, कौशांबी, चित्रकूट, प्रयागराज, अंबेडकर नगर, आजमगढ़, जौनपुर, संत रविदास नगर और वाराणसी में अनेक स्थानों पर भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है.बलरामपुर, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, गोरखपुर, संतकबीर नगर, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया, मऊ, बलिया, गा. जीपुर, चंदौली, मीरजापुर और सोनभद्र में लगभग सभी स्थानों पर बहुत भारी बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी दी गई है.

हापुड़ में पिता–पुत्र की जोड़ी ने किया कमाल... एक साथ दोनों पहनेंगे यूपी पुलिस की वर्दी

यूपी पुलिस की भर्ती में जनपद हापुड़ के रहने वाले पिता–पुत्र की जोड़ी ने कमाल किया है. दोनों का चयन यूपी पुलिस में एक साथ हुआ है. लखनऊ में दोनों पिता–पुत्र को यूपी पुलिस में भर्ती के लिए ज्वाइनिंग लैटर मिला है. अब दोनों पिता–पुत्र एक साथ यूपी पुलिस की वर्दी पहनेंगे. दोनों के चयन से परिवार में भी खुशी का माहौल है.आपको बता दें कि हापुड़ में धौलाना क्षेत्र के गांव उदयपुर नंगला के रहने वाले यशपाल फौजी उम्र 40 वर्ष 18 साल की उम्र में 2003 में सेना में भर्ती हुए थे. यहां 16 साल देश सेवा करने के बाद वर्ष 2019 में वह सेवानिवृत्त हो गये. इसी दौरान उनका बेटा शेखर नागर उम्र 18 वर्ष ने भी वर्ष 2023 में पुलिस भर्ती के लिए अपने को पूरी तरह से तैयार कर लिया. दोनों पिता–पुत्र न सिर्फ एक साथ पढ़ाई करते थे, बल्कि एक–दूसरे की फिटनेस को लेकर भी ध्यान मिलती है. इससे किसान बिचौलियों पर निर्भर नहीं रहते और अगली फसल के लिए अधिक बीज व उर्वरक खरीद पाते हैं.नेफेड– मथुरा, अलीगढ़, आगरा, कानपुर नगर, गौतमबुद्ध नगर, झाँसी, वाराणसी, लखीमपुर खीरी समेत 55 जिलों में मूंगय मैनपुरी, हरदोई, इटावा में मूंगफली. एनसीसीएफ– कानपुर देहात, प्रयागराज, रायबरेली, बुलंदशहर, चंदौली, बदायूँ, हापुड़ जैसे 19 जिलों में मूंगय फर्रुखाबाद, कासगंज, एटा, उन्नाव, श्रावस्ती जैसे 12 जिलों में मूंगफली.सीधी आय वृद्धिरू तय तारीख तक फसल बेचने पर तुरंत भुगतान. खर्च की भरपाई एमएसपी लागत से कम देते थे.पिता–पुत्र को एक साथ मिला जॉइनिंग लेटर साल 2023 में जब यूपी पुलिस में भर्ती परीक्षा निकली, तो दोनों ने फार्म भरते हुए अपनी परीक्षा दी और जब उनका चयन हुआ, तो उन्हें लखनऊ में बुलाकर नियुक्ति पत्र सौंपा गया. पिता यशपाल नागर और बेटा शेखर नागर ने जब एक साथ नियुक्ति पत्र लिया, तो दोनों के चेहरे पर खुशी साफ झलकती हुई दिखाई दे रही थी.बेटे के किया मोटिवेट, खुद को भी किया तैयार पिता यशपाल नागर ने बताया कि उन्होंने अपने बेटे शेखर नागर को पुलिस भर्ती में तैयारी कराने के साथ–साथ खुद भी पुलिस की तैयारी की. पढ़ाई के साथ–साथ व्यायाम भी दोनों साथ करते थे.जनपद हापुड़ के रहने वाले पिता–पुत्र की यूपी पुलिस भर्ती में चयन होने पर परिवार वालों और ग्रामीणों में खुशी की लहर है. हर कोई पिता–पुत्र के जज्बे को सलाम कर रहा है.

से कम 50 : ऊपर तय है, जिससे लागत निकलते ही मुनाफा पक्का.फसल विविधीकरणरू दाल तिलहन का भरोसेमंद बाजार मिलने से किसान गन्ना या धान पर एक तरफा निर्भर नहीं रहते.

हाथरस सिटी रेलवे स्टेशन पर एक युवती मिली बेहोश

हाथरस सिटी रेलवे स्टेशन पर एक युवती बेहोश मिली। स्टेशन पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस युवती को तुरंत जिला अस्पताल ले गई।अर्ध बेहोश अवस्था में युवती ने अपना नाम खुशी बताया। उसने यह भी बताया कि वह लक्ष्मी नगर मथुरा की रहने वाली है। आखिर वह स्टेशन पर कैसे पहुंची और उसके साथ क्या वारदात हुई। यह बताने से पहले ही वह फिर से बेहोश हो गई।युवती के पास से कुछ रुपए और सामान बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में जहरखुरानी या किसी और वारदात आशंका जताई जा रही है। पुलिस युवती के साथ हुई घटना की जांच कर रही है। फिलहाल उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस युवती का सही पता लगाने में जुटी है, जिससे कि उसके परिजनों को उसके बारे में जानकारी दी जा सके।

हाथरस कल्पिता हत्याकांड आखिर कहा गायब हो गया गुलशन? यूपी के साथ कई राज्यों में छापा मार रही पुलिस

हाथरस में डीएम के ड्राइवर की बेटी कल्पिता की हत्या के मुख्य आरोपी गुलशन की तलाश जारी है। पुलिस राजस्थान के भरतपुर समेत कई शहरों में छापेमारी कर रही है। पुलिस ने गुलशन के दोस्त नवीन को गिरफ्तार किया है। गुलशन ने हत्या से पहले दूसरे की सिम का इस्तेमाल किया और अपना मोबाइल तोड़ दिया था। पुलिस को उसकी अंतिम लोकेशन आगरा में मिली थी। तहसील के गेट पर डीएम के चालक की बेटी कल्पिता की सनसनीखेज हत्या के बाद पुलिस मुख्य आरोपित गुलशन को तलाश कर रही है। उसकी तलाश रा. जस्थान के भरतपुर तक है। अन्य शहरों में भी दबिश दी गई हैं हालांकि पुलिस उसे पकड़ नहीं सकी है।शनिवार की रात डीएम के चालक राकेश शर्मा की बेटी कल्पिता अपनी मां के साथ स्कूटी से बाजार जाने के लिए घर से निकली थी। तहसील परिसर स्थित आवास से वह तहसील के गेट तक पहुंची ही थी कि बुलेट सवार दो हमलावरों ने रोका और गोली मार दी। इस घटना के बाद पुलिस–प्रशासनिक अधिकारियों में खलबली मच गई। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर गुलशन के दोस्त नवीन को मुठभेड़ के बाद दबोच लिया।नवीन ने पूछताछ में बताया है कि दोनों बुलेट से तहसील के आसपास घूम रहे थे। नवीन बाइक चला रहा था, जबकि गुलशन ने कल्पिता को गोली मारी थी। हत्या के बाद दोनों नहर की पटरी के रास्ते से फरार हो गए। वारदात के बाद दोनों गिजरौली स्थित नवीन के कमरे पर पहुंचे। यहां उसने मोबाइल को तोड़ा और उसे कहीं फेंक गया है।गुलशन बेहद शातिर किस्म का अपराधी है। उसने पूरी योजना बनाकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। हत्या के चार–पांच दिन पहले से वह किसी दूसरे व्यक्ति की सिम का इस्मेमाल कर रहा था, ताकि उसकी लोकेशन पुलिस ट्रेस न कर सके। हत्या के बाद वह नवीन के कमरे पर गया और अपने मोबाइल को भी तोड़ दिया।इसके चलते बाद की लोकेशन पुलिस को नहीं मिल पा रही है। उसकी अंतिम लोकेशन आगरा में मिली थी। वहां से उसने गैर व्यक्ति के फोन से अपने किसी परिचित को फोन किया। पुलिस उसकी तलाश करते हुए आगरा पहुंची तो वह नंबर एक सफाईकर्मी का निकला। पुलिस ने अलीगढ़, मथुरा, भरतपुर में भी दबिश दी है। हालांकि अभी कोई सफलता हाथ नहीं लगी है।ग. ुलशन की तलाश में कई शहरों में टीमों ने दबिश दी है। उसे जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा। गुलशन की गिरफ्तारी के बाद ही घटना की मुख्य वजह साफ हो सकेगी। – चिरंजीव नाथ सिन्हा, एसपी हाथरसगुलशन बेहद शातिर किस्म का अपराधी है। उसने पूरी योजना बनाकर हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। हत्या के चार–पांच दिन पहले से वह किसी दूसरे व्यक्ति की सिम का इस्मेमाल कर रहा था, ताकि उसकी लोकेशन पुलिस ट्रेस न कर सके। हत्या के बाद वह नवीन के कमरे पर गया और अपने मोबाइल को भी तोड़ दिया। इसके चलते बाद की लो. केशन पुलिस को नहीं मिल पा रही है। उसकी अंतिम लोकेशन आगरा में मिली थी। वहां से उसने गैर व्यक्ति के फोन से अपने किसी परिचित को फोन किया। पुलिस उसकी तलाश करते हुए आगरा पहुंची तो वह नंबर एक सफाईकर्मी का निकला। पुलिस ने अलीगढ़, मथुरा, भरतपुर में भी दबिश दी है। हालांकि अभी कोई सफलता हाथ नहीं लगी है।

नेशनल हाईवे बना मक्का सुखाने की जगह, हादसे को दावत देते किसान, प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान

उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में मक्का सुखाने का अजीब नजारा सामने आया है। यहां किसान मथुरा–बरेली नेशनल हाईवे 530 ठ पर इस समय मक्का को सुखाने के लिए हाईवे पर फैला रहे हैं। हाइवे पर फैला मक्का राहगीरों के लिए हादसे का सबब बन सकता है। सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है लेकिन इसे वाहनों के आवागमन के लिए अभी तक आधिकारिक रूप से नहीं खोला गया है। लेकिन फिर भी वाहन इस पर दौड़ते नजर आते है। इस नेशनल हाईवे का सीधा लाभ यहां के स्थानीय मक्का किसानों को मिल रहा है।आपको बता दें कि मथुरा–बरेली नेशनल हाईवे का एक हिस्सा हाथरस जिले की सीमा सिकंदराराऊ और हसायन क्षेत्र से होकर गुजरता है। वैसे अभी हाइवे निर्माणाधीन स्थिति में है। करीब 30 किला. मीटर लंबे इस हिस्से में किसान अब खुले हाईवे पर मक्का सुखाते नजर आते हैं।खेतों में काम कर रहे कुछ किसानों ने बताया कि पहले मक्का सुखाने के लिए उपयुक्त जगह नहीं मिलती थी। खेतों में पर्याप्त जगह न होने और बारिश के डर से वह फसल को कम ही उगाते थे। लेकिन जब से हाईवे का निर्माण हुआ है और यह वाहनों के लिए बंद है, तब से किसानों को मक्का सुखाने के लिए पर्याप्त और समतल स्थान मिल गया है। जोकि उनकी मक्के की फसल को सुखाने के काम आ रहा है।किसानों ने बताया कि नेशनल हाईवे की काली डामर की सड़क पर मक्का जल्दी सूख जाती है, जिससे फसल जल्द तैयार होकर मंडी तक पहुंचाई जा सकती है। इससे न केवल उनका समय बच रहा है, बल्कि मक्का की गुणवत्ता भी बनी रहती है। जिससे फसल की बेहतर कीमत मिलने की संभावना भी बढ़ गई है।ग्रामीण क्षेत्रों में यह नजारा अब आम हो गया है, जहां दूर–दूर तक फैले हाईवे पर मक्का के दाने सूखते नजर आते हैं। हालांकि प्रशासन की ओर से अभी इस पर कोई रोक–टोक नहीं है। किसान उम्मीद कर रहे हैं कि जब तक हाईवे पूरी तरह चालू नहीं होता, तब तक उन्हें इस हाइवे का लाभ मिलता रहे। लेकिन सड़क पर फैली मक्का राहगीरों के लिए हादसे का सबब बन सकती है।

हाथरस में एक पति द्वारा अपनी पत्नी की निर्मम हत्या के मामले में न्यायालय ने कड़ा फैसला सुनाया

हाथरस में एक पति द्वारा अपनी पत्नी की निर्मम हत्या के मामले में न्यायालय ने कड़ा फैसला सुनाया है। आरोपी दीपक को उम्रकैद की सजा के साथ अर्थदंड भी देना होगा। अर्थदंड न चुक. ाने की स्थिति में उसे अतिरिक्त कारावास भोगना होगा।घटना 7 जुलाई 2021 की रात की है। दीपक निवासी बिजली घर सासनी ने अपनी 22 वर्षीय पत्नी ममता की ब्लेड से गला काटकर हत्या कर दी। वारदात के समय दीपक के पिता रमेश चंद्र और मां मधु छत पर सो रहे थे। घर के अंदर से शोर सुनकर जब वे नीचे आए, तो देखा कि ममता फर्श पर मृत पड़ी थी।उसके गले से खून बह रहा था और चेहरे पर चोट के निशान थे। दीपक ने स्वीकार किया कि उसने ममता को इसलिए मार डाला क्योंकि वह वृंदावन जाने की जिद कर रही थी। घटना के बाद दीपक ने खुद के गले पर भी ब्लेड से वार किया और पुलिस के आने से पहले फरार हो गया।डीजीसी ने की अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी रमेश चंद्र की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। शव का पोस्टमार्टम कराया गया और विवेचना के बाद आरोप पत्र दाखिल किया गया। सत्र न्यायाधीश विनय कुमार तृतीय की अदालत में मामले की सुनवाई हुई। न्यायालय ने आरोपी को दोषी मानते हुए उसे उम्रकैद और अर्थदंड की सजा सुनाई है।जिला शासकीय अधिवक्ता विश्वास बहादुर पुंडीर ने अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी की।

जर्जर सड़क समेत अन्य समस्याओं के समाधान न होने पर गुस्सा

हाथरस। नगर में विभिन्न समस्याएं जन्म ले रही हैं, मगर न तो अधिकारी सुनने को तैयार और न नेताओं को ही चिंता है। समस्याओं के समाधान न होने पर जन प्रतिनिधियों के खिलाफ लोगों ने पोस्टर चस्पा कर दिए हैं। पूरा मामला चामड़ गेट चौराहा व चामुंडा मंदिर के आसपास का है। यहां समस्याएं गंभीर हैं। वार्ड 35 की सड़कों पर बड़े–बड़े गड्ढे हो रहे हैं।बारिश से इनमें जलभराव हो जाता है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि करीब दो साल से सड़कों का यही हाल है। पूर्व में कई बार इन गड्ढों की वजह से ई–रिक्शा आदि पलट भी गए हैं। इसी तरह इस क्षेत्र में पुलिया चोक पड़ी हुई है। इससे पानी बाहर रोड पर भर जाती है।इन सड़कों से तमाम अधिकारी और जन प्रतिनिधि अक्सर गुजरते रहते हैं। इसके बावजूद कोई इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। इस पर लोगों का आक्रोश भड़क उठा है। लोगों ने चामड़गेट क्षेत्र में जन प्रतिनिधियों के विरोध में पोस्टर भी चस्पा कर दिए हैं। यह पोस्टर सोशल मीडिया पर भी वायरल हो राह है। लोग इस पर तरह–तरह के कमेंट कर रहे हैं।क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता में है। इस क्षेत्र की सड़कों का प्रस्ताव पास हो चुका है। टेंडर भी हो गया है। जल्द ही सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। – श्वेता चौधरी, चेयरमैन हाथरसबारिश से इनमें जलभराव हो जाता है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि करीब दो साल से सड़कों का यही हाल है। पूर्व में कई बार इन गड्ढों की वजह से ई–रिक्शा आदि पलट भी गए हैं। इसी तरह इस क्षेत्र में पुलिया चोक पड़ी हुई है। इससे पानी बाहर रोड पर भर जाती है।इन सड़कों से तमाम अधिकारी और जन प्रतिनिधि अक्सर गुजरते रहते हैं। इसके बावजूद कोई इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। इस पर लोगों का आक्रोश भड़क उठा है। लोगों ने चामड़गेट क्षेत्र में जन प्रतिनिधियों के विरोध में पोस्टर भी चस्पा कर दिए हैं। यह पोस्टर सोशल मीडिया पर भी वायरल हो राह है। लोग इस पर तरह–तरह के कमेंट कर रहे हैं।क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता में है। इस क्षेत्र की सड़कों का प्रस्ताव पास हो चुका है। टेंडर भी हो गया है। जल्द ही सड़कों का निर्माण कराया जाएगा। – श्वेता चौधरी, चेयरमैन हाथरस

महिला ने युवक को चप्पलों से पीटा, प्लेटफॉर्म पर मचा हंगामा, ट्रेन में बैठने को लेकर हुआ विवाद

उत्तर प्रदेश के हाथरस जंक्शन रेलवे स्टेशन पर सीट को लेकर विवाद हुआ। एक महिला और युवक के बीच झगड़ा मारपीट में बदल गया। महिला ने युवक को चप्पलों से पीटा। स्टेशन पर भी दोनों पक्षों में मारपीट हुई, जिससे एक युवक घायल हो गया।हाथरस में ट्रेन में सीट पर बैठने को लेकर मारपीट का मामला सामने आया है। यहां हाथरस जंक्शन रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में सीट पर बैठने को लेकर शुरू हुआ झगड़ा मारपीट में तब्दील हो गया। एक महिला यात्री और युवक के बीच सीट को लेकर बहस शुरू हुई। बहस इतनी बढ़ी कि महिला ने पहले तो ट्रेन के डिब्बे में चप्पल निकालकर युवक की जमकर पिटाई कर दी। इस दौरान वहां जमकर गाली गलौज भी हुई। लेकिन जैसे ही ट्रेन हाथरस जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रुकी तो दोनों में फिर से विवाद और मारपीट हो गई।महिला और युवक के बीच का विवाद ट्रेन में शुरू हुआ और प्लेटफार्म तक पहुंच गया। वहां दोनों पक्षों ने प्लेटफार्म पर हंगामा शुरू कर दिया। दोनों में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान एक युवक के सिर में चोट लग गई। घटना के समय प्लेटफॉर्म पर यात्रियों की काफी भीड़ इक्कठा हो गई। मारपीट और झगड़े को देख पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और मामले को शांत कराया।वहीं अब ट्रेन में सीट पर बैठने को लेकर हुई मारपीट की इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, दोनों पक्षों में से किसी ने जीआरपी या आरपीएफ में कोई औपच. ारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। मारपीट के बाद दोनों पक्ष मौके से चले गए। वर्तमान में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ के कारण सीट विवाद की घटनाएं आम हो गई हैं।

जलभराव से आक्रोश, महिलाओं ने आगरा रोड पर लगाया जाम पुलिस से तीखी नोकझोंक, विधायक के आश्वासन पर खोला जाम

हाथरस की स्टेट बैंक कॉलोनी में जलभराव की समस्या से परेशान महिलाओं ने आज आगरा रोड पर जाम लगा दिया। महिलाएं हाथों में डंडे, तार और रस्सियां लेकर पेट्रोल पंप के पास सड़क पर उतर आईं। जाम के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।एक एंबुलेंस भी जाम में फंस गई। मौके पर पहुंची पुलिस और महिलाओं के बीच तीखी बहस हुई। महिलाओं का कहना था कि मामूली बारिश में भी कॉलोनी में पानी भर जाता है। इससे संक्रामक रोग फैल रहे हैं। बिजली पोलों में अक्सर करंट आने की समस्या भी है। कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।विधायक ने एसडीएम को दिए निर्देश... इसी दौरान आगरा से आ रहीं सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर भी जाम में फंस गईं। महिलाओं ने उन्हें घेर लिया और गंदे पानी के घरों में घुसने की समस्या बताई। विधायक ने एसडीएम सदर को फोन कर टीम के साथ मौके पर पहुंचने और समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।एक घंटे बाद खोला जाम भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव आर्य और मुरसान ब्लाक प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय भी मौके पर पहुंचे। विधायक के आश्वासन के बाद महिलाओं ने करीब एक घंटे बाद जाम खोल दिया और यातायात सामान्य हो गया।

हाथरस की स्टेट बैंक कॉलोनी में जलभराव की समस्या से परेशान महिलाओं ने आज आगरा रोड पर जाम लगा दिया

हाथरस की स्टेट बैंक कॉलोनी में जलभराव की समस्या से परेशान महिलाओं ने आज आगरा रोड पर जाम लगा दिया। महिलाएं हाथों में डंडे, तार और रस्सियां लेकर पेट्रोल पंप के पास सड़क पर उतर आईं। जाम के कारण सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।एक एंबुलेंस भी जाम में फंस गई। मौके पर पहुंची पुलिस और महिलाओं के बीच तीखी बहस हुई। महिलाओं का कहना था कि हाथरस में रिक्रूट आरक्षियों का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। रिजर्व पुलिस लाइन में ट्रेनिंग सेंटर का आज अलीगढ़ परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक प्रभाकर चौधरी ने निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के साथ डीआईजी ने केंद्र की सभी सुविधाओं का जायजा लिया।इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर योगेंद्र कृष्ण नारायण और क्षेत्राधिकारी यातायात अमित पाठक भी मौजूद रहे। प्रशिक्षण केंद्र में महिला आरक्षियों के लिए ळ–5 बैरक और पुरुष आरक्षियों के लिए ळ–8 बैरक बनाए गए हैं। यहां क्लासरूम, कंप्यूटर लैब और सामूहिक लेक्चर के लिए माधव प्रेक्षा गृह की व्यवस्था है। रिक्रूट्स के लिए स्नानागार, शौचालय, पेयजल और बिजली की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।डीआईजी बोले किसी तरह की असुविधा न हो डीआ. मामूली बारिश में भी कॉलोनी में पानी भर जाता है। इससे संक्रामक रोग फैल रहे हैं। बिजली पोलों में अक्सर करंट आने की समस्या भी है। कई बार अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।विधायक ने एसडीएम को दिए निर्देश... इसी दौरान आगरा से आ रहीं सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर भी जाम में फंस गईं। महिलाओं ने उन्हें घेर लिया और गंदे पानी के घरों में घुसने की समस्या बताई। विधायक ने एसडीएम सदर को फोन कर टीम के साथ मौके पर पहुंचने और समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए।एक घंटे बाद खोला जाम भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव आर्य और मुरसान ब्लाक प्रमुख रामेश्वर उपाध्याय भी मौके पर पहुंचे। विधायक के आश्वासन के बाद महिलाओं ने करीब एक घंटे बाद जाम खोल दिया और यातायात सामान्य हो गया।

ईजी ने प्रशिक्षण की तैयारियों की सराहना की और सभी को समन्वय से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षणा. र्थियों को किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने सभी व्यवस्थाएं समय से पहले पूरी करने के निर्देश दिए। डीआईजी ने बताया कि बेहतर वातावरण और सुविधाओं से आरक्षी पूरी निष्ठा से प्रशिक्षण ले सकेंगे।

राजस्व अभिलेखों के डिजिटाइजेशन का कार्य तेजी से प्रगति पर, जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

अलीगढ़ जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कैम्प कार्यालय पर संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक करने के उपरांत कलैक्ट्रेट स्थित राजस्व अभिलेखागार में चल रहे राजस्व अभिलेखों के डिजिटाइजेशन कार्य का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को स्पष्ट निद. श दिए कि समस्त अभिलेखों का डिजिटाइजेशन कार्य उच्चतम गुणवत्ता एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने इस महत्वपूर्ण परियोजना को राजस्व व्यवस्था में व्यापक पारदर्शिता, त्वरित अभिलेख उपलब्धता एवं ईगवर्नेंस की दिशा में मील का पत्थर बताते हुए सभी संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी टीम को कार्य को समय से पूर्व पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने राजस्व अभिलेखों के डिजिटाइजेशन कार्य की मॉनिटरिंग के लिए चार सदस्यीय टीम एडीएम ई, एसटीओ, प्रभारी अधिकारी रिकॉर्ड रूम एवं ईडीएम का गठन कर कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए। डिजिटाइजेशन कार्य की निगरानी कर रहे अपर जिलाधिकारी प्रशासन पंकज कुमार ने बताया कि ब्लिस आईटी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से लगभग एक माह पूर्व से डिजिटाइजेशन कार्य आरंभ किया गया है। अब तक ढाई लाख से अधिक पृष्ठों की स्कैनिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा चुका है। कुल 25 से 27 लाख पृष्ठों के स्कैनिंग का लक्ष्य निर्धारित है, जिसे सितंबर 2025 के अंत तक पूरा कर लिए जाने की योजना है। ईडीएम राजपूत ने अवगत कराया कि डिजिटाइजेशन कार्य में 15 स्कैनर और 3 क्वालिटी चेकर मशीनें लगातार क्रियाशील हैं। कार्य स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया गया है। कार्य कक्ष के भीतर 4 एवं बाहर 2 कैमरे लगाए गए हैं, जिससे हर गतिविधि की निगरानी सुनिश्चित हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि जिन अभिलेखों का डिजिटाइजेशन कार्य पूर्ण हो रहा है, उनकी बाइंडिंग का कार्य भी समानांतर रूप से किया जा रहा है, ताकि दस्तावेज सुव्यवस्थित और सुरक्षित बने रहें। डिजिटाइजेशन परियोजना की परिकल्पना के अगले चरण के रूप में एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जाएगा, जिसमें आवेदकों एवं अधिवक्ताओं को अपने से संबंधित आवश्यक राजस्व अभिलेखों की नकल प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। यह पोर्टल पारदर्शी, सरल एवं जनसुलभ होगा, जिससे आमजन को अभिलेखों के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। उन्होंने बताया कि राजस्व अभिलेखागार में चल रही डिजिटाइजेशन कार्य में कृष्ण कुमार ब्लिस आईटी टीम का बड़े ही अच्छे ढंग से सहयोग कर रहे हैं।

टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सुरेंद्र नगर में टीबी स्क्रीनिंग शिविर आयोजित

अलीगढ़ (राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत सुरेंद्र नगर क्षेत्र में एक विशेष टीबी स्क्रीनिंग शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मा0 विधान परिषद सदस्य डा0 मानवेन्द्र प्रताप सिंह गुरुजी द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, स्थानीय गणमान्यजन और आमजन उपस्थित रहे।मा0 एमएलसी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा संकल्प लिया गया है कि भारत को 2025 तक टीबी मुक्त किया जाए, ऐसा केवल सरकारी प्रयासों से नहीं, बल्कि जनसहयोग और सामूहिक चेतना से ही संभव है। जिले में यह जागरूकता कार्यक्रम प्रशंसनीय है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 नीरज त्यागी ने कहा कि इस प्रकार के शिविरों से न केवल मरीजों की शीघ्र पहचान होती है, बल्कि टीबी के प्रति फैली भ्रांतियों को भी दूर किया जा सकता है। जिला स्वास्थ्य विभाग पूरी निष्ठा से टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य की ओर कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि दो हफ्ते से अधिक खांसी, बुखार या वजन घटना जैसे लक्षणों को न करें नजरअंदाज, नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर निशुल्क जांच अवश्य कराएं।जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ0 राहुल शर्मा ने कहा कि टीबी एक गंभीर लेकिन पूरी तरह से ठीक होने वाली बीमारी है, यदि समय पर जांच और इलाज हो। जिले भर में 100 दिवसीय विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष स्क्रीनिंग की जा रही है।जिला कार्यक्रम समन्वयक सतेंद्र कुमार ने बताया कि यह अभियान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता का सशक्त माध्यम है। सुरेंद्र नगर जैसे क्षेत्रों में शिविर के माध्यम से हम घरघर जाकर लक्षणयुक्त व्यक्तियों की पहचान कर उन्हें तुरंत जांच व उपचार से जोड़ रहे हैं। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से हम अधिक प्रभावी परिणाम की ओर अग्रसर हैं।इस अवसर पर पियूष गौतम, अंजना शर्मा, सुभाष कुमार समेत अन्य स्वास्थ्यकर्मी, गणमान्यजन और स्वयंसेवी उपस्थित रहे। शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने अपनी टीबी जांच कराई, साथ ही टीबी से जुड़े लक्षणों, उपचार और सरकारी सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान को गति देने के लिए बुधवार को मदरसा कासिमपुर पावर हाउस में एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्रों को टीबी रोग के लक्षण, उपचार, जांच प्रक्रिया, तथा निःशुल्क उपलब्ध सरक. ारी सेवाओं, पोषण–पोटली योजना और निःक्षय पोषण भत्ता के बारे में विस्तार से बताया गया, जिससे छात्र और उनके परिवार टीबी के इलाज के दौरान सरकारी सहायता का लाभ उठा सकेंमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नीरज त्यागी ने कहा कि विद्यालय और मदरसों जैसे संस्थान बच्चों और युवाओं को जागरूक करने का एक प्रभावशाली माध्यम हैं। टीबी के लक्षणों की पहचान और समय पर इलाज से इस बीमारी को पूरी तरह से हराया जा सकता है। जिला क्षय रोग अधिकारी, डॉ. राहुल शर्मा ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समुदाय के हर वर्ग तक टीबी संबंधी सही जानकारी पहुँचे, चाहे वो ग्रामीण क्षेत्र हो या मदरसा, जागरूकता ही बचाव की पहली सीढ़ी हैजिला कार्यक्रम समन्वयक सतेंद्र कुमार ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केवल चिकित्सा सेवा देना नहीं बल्कि समाज में टीबीके प्रति गलत धारणाओं को समाप्त करना है। मदरसों में आयोजित ऐसे कार्यक्रम बच्चों को जागरूक नागरिक बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में मदरसे के शिक्षकगण, स्वास्थ्य विभाग की टीम, और बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहीं। सभी ने टीबी से संबंधित जानकारी को गंभीरता से सुना और भविष्य में इसके प्रसार में सहभागी बनने की बात कही।

पुराने जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाना हुआ आसान– नगर आयुक्त ने पब्लिक को दी बड़ी राहत।

आवेदकों को पुराने जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए नहीं लगाने पड़ेंगे चक्करनगर आयुक्त का वादा 70: जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र की पेंडेंसी में आएगी कमी–2 से 3 सप्ताह में आवेदक को मिल सकेगा अब प्रमाण पत्रवर्ष 2015–2020 के मध्य ई–नगर सेवा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन निर्गत जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्रों को बनवाना अब बेहद सरल हो गया है। पिछले काफी समय से इस जटिल समस्या से जूझ रहे शहर वासियों को नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बड़ी राहत देते हुए मात्र 10 के एफिडेविट के आधार पर 2015 से 2020 के मध्य ई नगर सेवा पोर्टल पर बनवाए गए प्रमाण पत्रों को वर्तमान सीएसआर पोर्टल पर अपलोड करते हुए प्रमाण पत्र जारी करने का आदेश दिया है।नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि विभागीय एवं कार्यहित में वर्ष 2015–2020 के मध्य ई–नगर सेवा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन निर्गत जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्रों को सी०आर०एस० पोर्टल से जारी करने हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों के आवे. दकों से मात्र 10 रुपये के एफिडेविटध्शपथ पत्र लिया जाएगा जिसके पश्चात क्षेत्रीय सेनेटरी सुपरवाईजर एवं स्वच्छता एवं खाद्य निरीक्षक की स्थलीय जांच ६ सत्यापन उपरान्त नगर निगम स्तर से प्रमाण पत्र निर्गत कर दिया जाएगा नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कहा नगर आयुक्त के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के उपरांत जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने की व्यवस्था में यह समस्या सबसे ज्यादा जटिल थी इसका स्थानीय स्तर पर समाधान बेहद जरूरी था आवेदक इधर–उधर अपने प्रमाण पत्र बनाने के लिए जाना पड़ता था अब उक्त अवधि का प्रमाण पत्र मात्र एफिडे. विट और विभागीय रिपोर्ट के आधार पर ऑनलाइन सीएसआर पोर्टल से जारी हो सकेगा इस व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।नगर आयुक्त ने बताया इस व्यवस्था के लागू होते ही लगभग जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र आवेदन की 70: पेंडेंसी का निस्तारण हो सकेगा आने वाले समय में 2 से 3 सप्ताह के भीतर आवेदक को आसानी से प्रमाण पत्र भी प्राप्त हो सकेगा

किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए सम्पन्न हुआ किसान दिवस

अलीगढ़ (जिलाधिकारी संजीव रंजन के निर्देशानुसार बुधवार को किसान कल्याण केन्द्र क्वार्सी फार्म परिसर में किसान दिवस का आयोजन उप कृषि निदेशक चौधरी अरुण कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। बैठक में कृषि, विद्युत, सिंचाई, बीमा, खाद्य, बैंकिंग एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ जनपद के प्रमुख कृषक प्रतिनिधि उपस्थित रहे कार्यक्रम के प्रारम्भ में कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ0 अशरफ अली द्वारा मक्का, उर्द, मूंग एवं धान जैसी फसलों में कीट प्रबंधन पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रयोग के लिए जागरूक किया गया। बैठक के दौरान कृषकों द्वारा कई महत्वपूर्ण समस्याएं एवं सुझाव रखे गए, जिनमें प्रमुख रूप से वीरेन्द्र कुमार द्वारा गांवों में जर्जर विद्युत लाइनों को बदलवाने, चौधरी नवाव सिंह पूर्व महासचिव भारतीय किसान यूनियन द्वारा मक्का एवं बाजरा का समर्थन मूल्य बढ़ाने एवं खरीफ विपणन वर्ष 202526 के लिए मक्का, बाजरा की खरीद 01 जून से प्रारम्भ करने, मोहनलाल द्वारा निजी नलकूप उपभोक्ताओं को 1045 यूनिट से अधिक बिजली खपत पर यथोचित बिल देने की मांग, भगवती प्रसाद शर्मा द्वारा नकली बीज एवं कीटनाशकों की बिक्री रोकने के लिए छापेमारी की मांग, धान की रोपाई के दौरान बिजली आपूर्ति बढ़ाने का आग्रह, किसान क्रेडिट कार्ड से संबंधित खतौनी बंधन मुक्ति की समस्या, फसल बीमा के विकल्प एवं क्षतिपूर्ति संबंधी प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा की गई। बैंक प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि केसीसी जमा करने के उपरांत ऑनलाइन माध्यम से तहसील पोर्टल पर खतौनी बंधनमुक्त करने के लिए अग्रसारित किया जाता है। फसल बीमा प्रतिनिधि ने स्पष्ट किया कि बीमा न चाहने वाले कृषकों को 24 जुलाई (खरीफ) एवं 24 दिसंबर (रबी) से पूर्व बैंक में संबंधित घोषणा करनी होगी। क्षति की स्थिति में 72 घंटे के भीतर टोल फ्री नंबर 14447 पर सूचना देना अनिवार्य है। इफको, डीएपी उर्वरक की उपलब्धता संबंधी प्रश्न पर बताया गया कि शीघ्र ही 1344 मीट्रिक टन डीएपी जनपद को प्राप्त होगी, जिसका वितरण सहकारी समितियों के माध्यम से किया जाएगा। जिला कृषि अधिकारी ने कृषकों से फास्फेटिक उर्वरकों के वैकल्पिक स्रोतों के उपयोग का आग्रह किया। उप कृषि निदेशक चौधरी अरुण कुमार द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसान दिवस में प्राप्त शिकायतों का गुणवत्ता पूर्ण निस्तारण कर एक सप्ताह के भीतर आख्या उपलब्ध

विद्युत आपूर्ति पर लाखों के व्यय को रोकने के लिए नगर आयुक्त ने उठाया अहम कदम– जल्द नगर निगम के सभी कार्यालय और विभाग रूफ टॉप सोलर पैनल से होंगे लैस

नगर आयुक्त ने नगर निगम संपत्ति, विद्युत कनेक्शन लोड और विद्युत पर प्रति माह खर्चे का मांगा ब्यौराजल्द रूफटॉप सोलर पैनल से संचालित होगी नगर निगम की हर सम्पत्ति– बिजली के खर्चे में दिखेगी जल्द बचतपिछले दिनों लाखों रुपये के नगर निगम के विभिन्न विभागों के बिजली कनेक्शन के बिलों के भुगतान को देखकर नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने गहरी चिंता जताते हुए अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव के साथ विद्युत आपूर्ति के बिलों में कटौती की दिशा में नगर निगम की सभी संपत्तियों पर रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित कराए जाने पर चर्चा की। नगर आयुक्त ने नगर निगम के सभी विभागों में विद्युत कनेक्शन पर प्रति महीने होने वाले खर्च विद्युत आपूर्ति कनेक्शन की डिटेल नगर निगम संपत्ति की डिटेल का पूरा ब्यौरा तलब किया है। अलीगढ़ नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने नगरीय क्षेत्र में इलेक्ट्रिक एनर्जी को सेव करने और पर्यावरण बचाओ को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नगर निगम के सभी संपत्तियों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जाने का निर्णय लिया है। पहले चरण में जवाहर भवन, जलकल प्रांगण सभी जोनल कार्यालय, सीवर पंपिंग स्टेशन एफएसटीपी प्लांट, वाहन पार्किंग यार्डध्वर्कशॉप, कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन, ट्यूबवैल, कूड़ा प्रोसेसिंग प्लांट, निर्माण स्टोर, स्वच्छता सर्किल कार्यालयों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जाने की कार्ययोजना बनायी जा रही है।नगर आयुक्त का बयाननगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि विद्युत आपूर्ति पर अनावश्यक खर्च को रोकने और सोलर एनर्जी का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा करने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले चरण में जवाहर भवन, जलकल प्रांगण, सभी जोनल कार्यालय, सीवर पंपिंग स्टेशन, एफएसटीपी प्लांट, वाहन पार्किंग यार्डध्वर्कशॉप, कूड़ा ट्रांसफर स्टेशन, ट्यूबवैल, कूड़ा प्रोसेसिंग प्लांट, निर्माण स्टोर, स्वच्छता सर्किल कार्यालयों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जाएंगे।पर्यावरण बचाने के लिए जागरूकता नगर निगम द्वारा आने वाले दिनों में इलेक्ट्रिक एनर्जी को सेव करने और नगरीय क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा लोगों को रूफटॉप सोलर पैनल लगाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से काम किया जाएगा। इससे न केवल विद्युत आपूर्ति पर खर्च कम होगा, बल्कि पर्यावरण भी बच. ेगा।नगर निगम की इस योजना से मिलेगा लाभविद्युत आपूर्ति पर खर्च कम होगा सोलर एनर्जी का इस्तेमाल ज्यादा से ज्यादा होगापर्यावरण बचेगा नगर निगम की संपत्तियों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगने से शहरवासियों को भी रूफटॉप सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा महापौर ने कहा महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा कि अलीगढ़ नगर निगम का यह निर्णय न केवल विद्युत आपूर्ति पर खर्च को रोकेगा, बल्कि पर्यावरण बचाने में भी मदद करेगा। इससे शहरवासियों को भी रूफटॉप सोलर पैनल लगाने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

मानवीय संवेदनाओं की मिसाल बनीं मण्डलायुक्त संगीता सिंह

अलीगढ़ प्रशासनिक दायित्वों के साथसाथ मानवीय संवेदनाओं की अनुपम मिसाल पेश करते हुए अलीगढ़ मण्डल की मण्डलायुक्त श्रीमती संगीता सिंह ने बुधवार को कमिश्नरी कार्यालय में तैनात वरिष्ठ हा. मगार्ड एवं प्लाटून कमांडर सतेन्द्र पाल सिंह की सहायता करत हुए एक सराहनीय पहल की।सतेन्द्र पाल सिंह विगत तीन माह पूर्व एक सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हो गए थे, जिससे उनके पैरों में गंभीर चोटें आईं। सर्जरी के उपरांत उन्हें चलने–फिरने में अत्यधिक कठिनाई हो रही थी। इस कठिन समय में मण्डलायुक्त संगीता सिंह ने उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाते हुए न केवल उनके स्वास्थ्य का व्यक्तिगत रूप से संज्ञान लिया, बल्कि उन्हें व्हीलचेयर एवं वॉकर प्रदान कर शीघ्र स्वस्थ होने की शुभकामनाएं भी दीं। श्रीमती सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सतेन्द्र पाल सिंह के उपचार व देखभाल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, जिससे उन्हें कार्यस्थल व घर पर किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।मण्डलायुक्त द्वारा दिखाए गए इस मानवीय और संवेदनशील दृष्टिकोण की समस्त कमिश्नरी परिवार द्वारा मुक्त कंठ से सराहना की गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कहा कि श्रीमती संगीता सिंह जैसी करुणामयी, सहृदय और कर्तव्यपरायण अधिकारी दुर्लभ हैं, जो अपने अधीनस्थों की व्यक्तिगत समस्याओं को भी पूरी संवेदनशीलता से समझती हैं और उनके निराकरण के लिए तत्पर रहती हैं। इस प्रेरणादायी पहल के लिए मण्डल भर के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने मण्डलायुक्त का आभार प्रकट किया और उन्हें एक सच्चे प्रशासक के साथ–साथ संवेदनशील मानव होने का प्रतीक बताया।

चावल के आटे से बना फेस पैक चेहरे पर मिनटों में लाएगा निखार, जानिए लगाने का तरीका

क्या आपकी स्किन भी धूप, धूल और प्रदूषण की वजह से मुरझाई हुई लगती है? क्या आप भी इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए बार–बार पार्लर जाने से बचना चाहती हैं? तो ये घरेलू उपाय आपके लिए एकदम परफेक्ट है. घर की रसोई में मिलने वाला एक बेहद आम और असरदार इंग्रेडिएंट, चावल का आटा, ये आपके चेहरे की रंगत संवार सकता है. पुराने समय में महिलाएं चावल को पीसकर उसका लेप चेहरे पर लगाती थीं, ताकि त्वचा मुलायम, गोरी और दाग–धब्बों से मुक्त रहे. आज हम जानेंगे कैसे चावल के आटे से बना फेस पैक कुछ ही मिनटों में आपकी त्वचा में निखार ला सकता है. दरअसल, चावल का आटा जितना खाने में फायदेमंद होता है, उतना ही लगाने में भी होता है. ये बात बहुत कम लोगों को पता होगी कि इससे आपका चेहरे जल्द से जल्द ग्लो करने लगेगा और पूरी तरह से चमकदार बन जाएगा. चावल का आटा क्यों है खास?विटामिन बी, ई,फेरुलिक एसिड,एंटीऑक्सीडेंट्सये सभी त्वचा को डीप क्लींजिंग और एक्सफोलिएशन देने में मदद करते हैं. चावल के आटे से फेस पैक कैसे बनाएं?2 चम्मच चावल का आटा1 चम्मच दही या कच्चा दूध1 चुटकी हल्दी1 चम्मच गुलाब जल (अगर डालना चाहें तो) एक कटोरी में सभी सामग्री को मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट तैयार करें।इसे साफ चेहरे पर समान रूप से लगाएं और आंखों के आसपास न लगाएं।20 मिनट तक सूखने दें।फायदे जानकर चौंक जाएंगेस्किन को करता है इंस्टेंट ब्राइटडेड स्किन सेल्स और टैनिंग हटाता है ऑयल कंट्रोल करता है पिंपल और दाग–धब्बों में भी असरदार है हफ्ते में 1 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स और कैमिकल वाले फेस पैक की बजाय, अगर आप नेचुरल ग्लो चाहती हैं तो चावल के आटे से बना यह फेस पैक जरूर आजमाएं. क्योंकि न सिर्फ यह किफायती है, बल्कि असरदार भी है. साथ ही इसके कोई साइड इफेक्ट्स नहीं होते. खास बात यह है कि, घर पर कुछ ही मिनटों में पाए चमकदार, मुलायम और बेदाग त्वचा, वो भी बिना किसी खर्च के, क्योंकि खूबसूरती अब आपकी रसोई से भी शुरू हो सकती है.

फायदा ही नहीं पहुंचाता, चेहरा बिगाड़ भी सकता है एलोवरा

एलोवेरा को आमतौर पर त्वचा की देखभाल में बेहद फायदेमंद माना जाता है. इसके जैल में एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–इंफ्लेमेटरी और हाइड्रेटिंग गुण पाए जाते हैं, जो चेहरे की चमक बढ़ाने से लेकर पिंपल्स, झुर्रियां और दाग–धब्बों को हटाने में इसकी खूबियां गिनाई जाती हैं. क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा का गलत इस्तेमाल चेहरे को निखारने की जगह बिगाड़ भी सकता है?एलोवेरा से हो सकते हैं ये साइड इफेक्ट्सत्वचा एक्सपर्ट के मुताबिक, हर स्किन टाइप पर एलोवेरा एक जैसा असर नहीं करता. कुछ लोगों को इससे एलर्जी, जलन, दाने या दाग धब्बे जैसी दिक्कतें हो जाती हैं.ये दिक्कतें कर सकती हैं परेशान त्वचा पर खुजली या जलन चेहरे पर लाल निशान या रैशेज स्किन ज्यादा रूखी और बेजान होनाधूप में चेहरे का रंग और गहरा पड़ जानाये गलतियां बिल्कुल न करें पैक लगाकर घंटों छोड़नारू एलोवेरा जैल को ज्यादा देर तक चेहरे पर छोड़ना स्किन को ड्राई बना सकता है.बिना पैच टेस्ट के लगानारू किसी भी नए प्रोडक्ट की तरह एलोवेरा का भी पैच टेस्ट जरूरी है. क्योंकि हर किसी की स्किन अलग होती है, इसलिए पहले एलोवेरा को हाथ या कान के पीछे लगाकर जांच लें.रातभर छोड़नारू कई लोग एलोवेरा जैल को पूरी रात चेहरे पर लगा छोड़ते हैं, जिससे त्वचा रूखी और डल हो सकती है.धूप में लगाकर बाहर निकलनारू एलोवेरा लगाने के बाद तेज धूप में जाने से स्किन पर जलन और पिग्मेंटेशन हो सकती है.हर दिन लगानारू कुछ स्किन टाइप्स को रोजाना एलोवेरा जैल सूखा और रुखा बना सकता है.के. मिकल युक्त जेल का इस्तेमालरू सस्ते या मिलावटी एलोवेरा जेल स्किन को फायदे की जगह नुकसान दे सकता है.एलोवेरा इस्तेमाल करने का सही तरीका साफ चेहरे और हाथों से लगाएं.5 से 10 मिनट तक ही रखें, फिर धो लें.सप्ताह में 2–3 बार ही उपयोग करें.धूप में जाने से पहले न लगाएं. बाजार से खरीदते समय शुद्ध और ऑर्गे. निक एलोवेरा जेल को ही चुनें.स्किन एक्सपर्ट की सलाह स्किन एक्सपर्ट के मुताबिक, नेचुरल चीजें भी तब तक ही फायदेमंद होती हैं जब तक उनका सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए. एलोवेरा का भी इस्तेमाल सोच–समझकर करना जरूरी है, वरना इसके साइड इफेक्ट्स चेहरे को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं.

प्रेमानंद महाराज अपने चेहरे पर किस–किस चीज का लेप लगाते हैं? इससे क्या होता है?

एलोवेरा को आमतौर पर त्वचा की देखभाल में बेहद फायदेमंद माना जाता है. इसके जैल में एंटी–बैक्टीरियल, एंटी–इंफ्लेमेटरी और हाइड्रेटिंग गुण पाए जाते हैं, जो चेहरे की चमक बढ़ाने से लेकर पिंपल्स, झुर्रियां और दाग–धब्बों को हटाने में इसकी खूबियां गिनाई जाती हैं. क्या आप जानते हैं कि एलोवेरा का गलत इस्तेमाल चेहरे को निखारने की जगह बिगाड़ भी सकता है?एलोवेरा से हो सकते हैं ये साइड इफेक्ट्सत्वचा एक्सपर्ट के मुताबिक, हर स्किन टाइप पर एलोवेरा एक जैसा असर नहीं करता. कुछ लोगों को इससे एलर्जी, जलन, दाने या दाग धब्बे जैसी दिक्कतें हो जाती हैं.ये दिक्कतें कर सकती हैं परेशान त्वचा पर खुजली या जलन चेहरे पर लाल निशान या रैशेज स्किन ज्यादा रूखी और बेजान होनाधूप में चेहरे का रंग और गहरा पड़ जानाये गलतियां बिल्कुल न करें पैक लगाकर घंटों छोड़नारू एलोवेरा जैल को ज्यादा देर तक चेहरे पर छोड़ना स्किन को ड्राई बना सकता है.बिना पैच टेस्ट के लगानारू किसी भी नए प्रोडक्ट की तरह एलोवेरा का भी पैच टेस्ट जरूरी है. क्योंकि हर किसी की स्किन अलग होती है, इसलिए पहले एलोवेरा को हाथ या कान के पीछे लगाकर जांच लें.रातभर छोड़नारू कई लोग एलोवेरा जैल को पूरी रात चेहरे पर लगा छोड़ते हैं, जिससे त्वचा रूखी और डल हो सकती है.धूप में लगाकर बाहर निकलनारू एलोवेरा लगाने के बाद तेज धूप में जाने से स्किन पर जलन और पिग्मेंटेशन हो सकती है.हर दिन लगानारू कुछ स्किन टाइप्स को रोजाना एलोवेरा जैल सूखा और रुखा बना सकता है.के. मिकल युक्त जेल का इस्तेमालरू सस्ते या मिलावटी एलोवेरा जेल स्किन को फायदे की जगह नुकसान दे सकता है.एलोवेरा इस्तेमाल करने का सही तरीका साफ चेहरे और हाथों से लगाएं.5 से 10 मिनट तक ही रखें, फिर धो लें.सप्ताह में 2–3 बार ही उपयोग करें.धूप में जाने से पहले न लगाएं. बाजार से खरीदते समय शुद्ध और ऑर्गे. निक एलोवेरा जेल को ही चुनें.स्किन एक्सपर्ट की सलाह स्किन एक्सपर्ट के मुताबिक, नेचुरल चीजें भी तब तक ही फायदेमंद होती हैं जब तक उनका सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए. एलोवेरा का भी इस्तेमाल सोच–समझकर करना जरूरी है, वरना इसके साइड इफेक्ट्स चेहरे को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकते हैं.

मुंह में छाले होना भी हो सकता है कैंसर का लक्षण? जानकर हैरान रह जाएंगे आप

अक्सर जब हम कुछ ज्यादा मसालेदार खा लेते हैं या नींद पूरी नहीं होती तो मुंह में छोटे–छोटे छाले उभर आते हैं. हम सोचते हैं कि दो–चार दिन में ठीक हो जाएंगे. कोई घरेलू नुस्खा आजमाते हैं या फिर बाजार से कोई मरहम ले आते हैं. लेकिन ये मामूली लगने वाले छाले किसी गंभीर बीमारी की दस्तक भी हो सकते हैं? जानकारी के मुताबिक, कई बार मुंह के छाले कैंसर का संकेत भी कर सकते हैं. यह सुनकर शायद आप चौंक गए हों, लेकिन आज की इस जानकारी में हम आपको बताएंगे कि कैसे एक आम लक्षण भी गंभीर बीमारी की चेतावनी बन सकता है. मुंह के छाले आमतौर पर वायरल इंफे. क्शन, विटामिन बी12 या आयरन की कमी, तनाव, हार्मोनल बदलाव के कारण होते हैं. ये कुछ दिनों में अपने आप ठीक भी हो जाते हैं. लेकिन अगर कोई छाला 2 हफ्ते से ज्यादा समय तक बना रहे, उसमें दर्द न हो, वह सख्त हो जाए या बार–बार एक ही जगह पर हो रहा हो तो इस पर ध्यान देना जरूरी है. कब सतर्क होना चाहिए?छाले जो 2 हफ्ते से ज्यादा समय तक ठीक न होंमुंह के किसी हिस्से में गांठ या मोटापन महसूस होनाजीभ, गाल या होंठों पर सफेद या लाल धब्बेनिगलने में तकलीफ या आवाज बदल जानाकिसी खास जगह पर बार–बार छाले निकलना मुंह का कैंसर क्यों होता है?मुंह के कैंसर के मुख्य कारणों में तम्बाकू चबाना, धूम्रपान, शराब का अधिक सेवन, ह्यूमन पैपिलोमा वायरस संक्रमण और साफ–सफाई की कमी शामिल हैं. इसके अलावा, लगातार गर्म भोजन या मसालेदार चीजें खाने से भी मुंह की अंदरूनी त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है. बचाव के उपायधूम्रपान और तम्बाकू का सेवन पूरी तरह बंद करें शराब का सेवन सीमित करेंभरपूर संतुलित आहार लेना जरूरी है नियमित रूप से दंत चिकित्सक से चेकअप करवाएंमुंह की सफाई पर विशेष ध्यान दें छोटे से दिखने वाले छाले को हल्के में लेना कई बार भारी पड़ सकता है. जरूरी नहीं कि हर छाला कैंसर का लक्षण हो, लेकिन बार–बार होने वाले या न भरने वाले घावों को लेकर सतर्क रहना बेहद जरूरी है। समय पर जांच और इलाज से किसी भी गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है.

जुलाई में कब है प्रदोष व्रत? जानें तिथि, शुभ मुहूर्त और महत्व

पंचांग के अनुसार हर महीने कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि को प्रदोष व्रत का व्रत रखा जाता है. यह व्रत से पापों और संकटों से मुक्ति दिलाने वाला होता है. मोक्ष की राह आसान करने के लिए भक्त हर महीने प्रदोष व्रत रखते हैं. इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा की जाती है. साथ ही प्रदोष व्रत करने से घर पर सुख–समृद्धि का अभाव नहीं रहता. आइए जानते हैं जुलाई के महीने में कब रखा जाएगा पहला प्रदोष व्रत. आषाढ़ का दूसरा प्रदोष व्रत कब आषाढ़ महीने का दूसरा प्रदोष व्रत 8 जुलाई 2025 को रखा जाएगा. पंचांग के अनुसार 7 जुलाई रात 11रू10 से आषाढ़ शुक्ल पक्ष के त्रयोदशी तिथि का आरंभ हो जाएगा और इसका समापन अगले दिन 8 जुलाई 2025 रात 12रू38 पर होगा. इस प्रकार उदयातिथि के अनुसार 8 जुलाई को ही प्रदोष व्रत मनाया जाएगा. पूजा के लिए 8 जुलाई शाम 07रू22 से 09 रू23 तक का समय सबसे शुभ रहेगा. बता दें कि इससे पहले सोमवार, 23 जून 2025 को आषाढ़ महीने का पहला प्रदोष व्रत मनाया जाएगा, जोकि सोम प्रदोष व्रत होगा.प्रदोष व्रत का धार्मिक महत्व प्रदोष व्रत भगवान शिव से जुड़ा महत्वपूर्ण व्रत है, जिसे हिंदू धर्म में बहुत ही शुभ माना गया है. भगवान शिव को प्रसन्न करने और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए इस दिन शिवभक्त कठिन व्रत रखते हैं. धार्मिक मान्यता के अनुसार, प्रदोष व्रत को शिव और माता पार्वती के मिलन का प्रतीक भी माना जाता है. इसलिए इस व्रत को करने से शिव जी के साथ ही माता पार्वती की भी कृपा प्राप्त होती है.बता दें कि 8 जुलाई को प्रदोष व्रत मंगलवार को पड़ रहा है, इसलिए इसे श्भौम प्रदोष व्रतश कहा जाएगा. प्रदोष व्रत जब सोमवार को पड़े तो इसे सोम प्रदोष व्रत कहते हैं, मंगलवार को पड़े तो भौम प्रदोष व्रत और शुक्रवार को पड़े तो शुक्र प्रदोष व्रत कहलाता है।

पीरियड्स में क्या वाकई नहीं धोने चाहिए बाल? जान लीजिए क्या है सच

पीरियड्स चलते वक्त बाल मत धोना, ऐसा करने से तबीयत खराब हो सकती है! ष्इन दिनों में ठंडा पानी सिर पर नहीं डालना चाहिए, बाल गीले करने से सिर दर्द होता है!ष आपने भी कभी न कभी ये बातें जरूर सुनी होंगी, खासकर घर की बड़ी बुजुर्ग महिलाओं ऐसा कहती हैं. माहवारी यानी पीरियड्स से जुड़ी ऐसी कई धारणाएं हमारे समाज में आज भी गहराई से जमी हुई हैं. इनमें से एक आम धारणा है कि पीरियड्स के दौरान बाल नहीं धोने चाहिए. लेकिन क्या वाकई ऐसा कोई वैज्ञानिक कारण है? या फिर ये भी एक और भ्रम है जो पीढ़ी दर पीढ़ी चलता आ रहा है?पीरियड्स के दौरान बाल धोने की धारणा कहां से आई?भारतीय संस्कृति में पीरियड्स को लंबे समय से अशुद्धि से जोड़ा गया है. पुराने जमाने में जब सुविधाएं सीमित थीं और गर्म पानी या साफ–सफाई के साधन पर्याप्त नहीं थे, तब महिलाओं को इन दिनों आराम करने और शरीर को ठंड से बचाने की सलाह दी जाती थी. इसका एक हिस्सा यह भी था कि इन दिनों सिर पर पानी न डालें, जिससे सर्दी या थकावट न हो. धीरे–धीरे यह एक सामाजिक नियम जैसा बन गया कि पीरियड्स में बाल धोना मना है. यदि बहुत ठंडा पानी इस्तेमाल किया जाए तो सिर दर्द या थकावट हो सकती है, लेकिन वो पीरियड्स की वजह से नहीं, बल्कि तापमान की वजह से है. अगर आप गर्म या गुनगुने पानी से नहाते हैं और बाल धोते हैं, तो इससे न केवल ताजगी मिलती है, बल्कि शरीर की बदबू और बैक्टीरिया से भी राहत मिलती है. क्या बाल धोने से पीरियड्स की फ्लो बढ़ता है?कई लोगों का यह भी मानना है कि बाल धोने से ब्लीडिंग अधिक हो सकती है. हालांकि यह केवल एक भ्रम है. गर्म पानी से नहाने से ब्लड फ्लो थोड़ा सामान्य हो सकता है, जिससे शरीर हल्का और रिलैक्स महसूस करता है. लेकिन यह नुकसानदायक नहीं है. किन बातों का ध्यान रखें?बहुत ठंडा पानी न इस्तेमाल करेंसिर धोने के बाद बाल अच्छी तरह सुखाएंअगर थकान ज्यादा है तो आराम करें, मजबूरी न बनाएं साफ–सफाई बनाए रखें, ताकि इंफेक्शन से बच सकें

सुबह खाली पेट ड्राई फ्रूट खाना चाहिए या नहीं? जानिए खाने का सही तरीका

हर सुबह जब हम जल्दी में होते हैं. कभी चाय तो कभी ब्रेड से काम चला लेते हैं. लेकिन आजकल सोशल मीडिया पर एक चीज खूब ट्रेंड कर रही है. सुबह खाली पेट ड्राई फ्रूट खाना. कोई कहता है इससे पेट साफ रहता है, कोई कहता है दिमाग तेज होता है. लेकिन क्या सच में ये आदत हर किसी के लिए फायदेमंद है? और अगर खाएं, तो कैसे खाएं, कितने खाएं, इन्हीं सवालों के जवाब आज हम जानेंगे. ड्राई फ्रूट्स सुबह खाली पेट खाना चाहिए या नहीं?ड्राई फ्रूट्स पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं. इनमें प्रोटीन, हेल्दी फैट, फाइबर, विटा. मिन्स और मिनरल्स होते हैं. सुबह खाली पेट इन्हें खाने से शरीर को एनर्जी का जबरदस्त बूस्ट मिलता है. लेकिन ये हर किसी के लिए एक जैसा असर नहीं करते. फायदे जो आपको जानने चाहिएएनर्जी बूस्टररू भीगे हुए बादाम या किशमिश सुबह खाने से दिमाग एक्टिव रहता है और थकान जल्दी नहीं होती. पाचन में मद. दगाररू अंजीर और किशमिश में फाइबर होता है जो कब्ज से राहत देता है और पेट साफ रखता है. स्किन और बालों के लिए वरदानरू बादाम, अखरोट और काजू में मौजूद हेल्दी फैट्स स्किन को निखारते हैं और बालों को मजबूती देते हैं, दिल के लिए फायदेमंदरू अखरोट में ओमेगा–3 फैटी एसिड होता है, जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करता है और दिल की सेहत सुधरता है. कब और कैसे खाएंभीगे हुए ड्राई फ्रूट्स ज्यादा फायदेमंद होते हैं बादाम, किशमिश और अंजीर को रातभर पानी में भिगोकर सुबह खाना सबसे अच्छा माना जाता है. खाली पेट खाएं, लेकिन सीमित मात्रा में4–5 बादाम, 2 अखरोट, 5 किशमिश और 1 अंजीर दृ ये मात्रा रोज काफी है. चाय या कॉफी के साथ न खाएंइससे ड्राई फ्रूट्स के पोषक तत्व पूरी तरह शरीर में नहीं जाते. किन लोगों को सावधानी रखनी चाहिए?जिन्हें डायबिटीज, पाचन की दिक्कत या नट एलर्जी हो, उन्हें डॉक्टर से सलाह लेकर ड्राई फ्रूट्स खाने चाहिए. ड्राई फ्रूट्स अगर सही समय, सही मात्रा और सही तरीके से खाए जाएं, तो ये किसी टॉनिक से कम नहीं हैं. सुबह खाली पेट इन्हें खाना एक हेल्दी आदत है, जो धीरे–धीरे आपकी एनर्जी, पाचन, और स्किन हेल्थ को बेहतर बनाएगी.